यह पुस्तक प्रिंट में पाएं ▼

★★★★★
0 समीक्षाएं
समीक्षा लिखें

Muslim Vidushiyon Ki Ghar Wapsi
Madhu Dharia के द्वारा

पंडित तेजसिंह तिवारी
जाएं

इस किताब के बारे में

› मेरी लाइब्रेरी

› मेरा इतिहास

Google Play पर पुस्तकें

सेवा की शर्तें

यंत्र Aryakhand Television Pvt. Ltd. की अनुमतियों के अनुसार प्रदर्शित किए गए. कॉपीराइट.

हवन कुण्ड में आहुति

1 जुलाई 1857 को जब कानपुर से अंग्रेजों ने प्रस्थान किया तो बहुत खुश हुई थी कुमारी मैना। तेरह साल थी उसकी उम्र। जिस व्यक्ति ने उसे गोद लिया था, वह उससे पूछ बैठी थी, "लुटेरे अंग्रेज तो चले गए अब हमारा राजा कौन होगा?"

"तुम्हीं बताओ कौन होना चाहिए?"

"आप और कौन? आपने ही तो यहाँ से अंग्रेजों को भगाया है।"

"अच्छी बात है।" इस प्रकार मैना के पिताश्री ने पूर्ण स्वतंत्रता की घोषणा की तथा पेशवा की उपाधि भी धारण की।

"बापू मैंने सुना है कि पंडित तेजसिंह तिवारी अंग्रेजों को दोबारा बुलाने वाले हैं।" मैना ने अपने पिता से पूछा।

"नहीं बेटी तुमने गलत सुना है, ऐसा नहीं हो सकता।" बच्ची की बात का जवाब तो दे दिया, लेकिन रहा नहीं गया और वे स्वयं क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी के ग्राम हिरनगाँव में आकर बड़े जोश में बोले, "पंडित जी आप इन फिरंगियों की अधीनता स्वीकार मत करना।"

उसके बाद मैना के पिता के फतेहपुर तथा आंग आद के स्थानों में अंग्रेजों से भीषण युद्ध हुए। कभी क्रांतिकारी जीते तो कभी अंग्रेज। तथापि अंग्रेज बढ़ते आ रहे थे। जब बरेली में क्रांतिकारियों की हार हुई तब मैना के पिता ने समझ लिया कि अभी आजादी पाने का सही समय नहीं आया है।

"अब क्या करेंगे आप?" मासूम मैना ने पूछ लिया था।

"हवन करेंगे और क्या करेंगे।" कहकर हँसे थे मैना के पिता।

Harangau Record

0 Reviews
Write review

Bharat Mein Svatantrata Tatha Lokatantraatmak Ganarajy Ka Uday

By B.S. Persedia

हिरणगांव | Go

About this book

6. गढ़मंडला के शंकरशाह एवं राजा ठाकुर प्रसाद,
7. बरैली के खान बहादुर,
8. रायपुर के नारायणसिंह,
9. गोरखपुर के गजाधर सिंह,
10. माणकपुर के राव उमरावसिंह माणकपुरिया,
11. फतेहपुर बेरी के राव रदगाही तंवर,
12. हिरणगांव के पंडित तेजसिंह तिवारी,

Harangau Record

अमर शहीद उमराव सिंह मण्डला मध्यप्रदेश
अमर शहीद जगत सिंह लोधी भारत
अमर शहीद बहादुर सिंह धरनगांव भारत
अमर शहीद अमर सिंह लोधी हैदराबाद आंधप्रदेश
अमर शहीद जग्गू लोधी विन्ध्य क्षेत्र भारत
दीवान अर्जुन सिहं पाटन मध्यप्रदेश
राव साहब पदम सिंह पाटन मध्यप्रदेश
अमर शहीद पर्वत बली सिंह शाहपुर मध्यप्रदेश
अमर शहीद जबर सिंह लोधी उज्जैन मध्यप्रदेश
अमर शहीद महीपत सिंह रणछोर बिहार
अमर शहीद जनक सिंह सागर मध्यप्रदेश
अमर शहीद प्रताप सिंह पाली सोना गुजरात
अमर शहीद रघुनाथ सिंह अलीगढं उत्तरप्रदेश
अमर शहीद बहादुर सिंह लोधी छतरपुर मध्यप्रदेश
अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी दमोह मध्यप्रदेश
खुमान सिंह लोधी पाटन मध्यप्रदेश
जसवंत लोधी पाटन मध्यप्रदेश
अमर शहीद ठा गुलाब सिंह मानिक उत्तरप्रदेश
अमर शहीद रघुनाथ सिंह रूबईं उत्तरप्रदेश
अमर शहीद प्रताप सिंह गरोया उत्तरप्रदेश
अमर शहीद पंडित तेजसिंह तिवारी फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश

37 वार्डो की जनता की राय मे हाजी अनीस सपा के टिकट के लिए सबसे मजबूत

अपनी उपस्थिति दर्ज कराते आ रहे हैं इसी से कयास लगाया जा रहा है हाजी अनीस ही सपा के टिकट के सबसे मजबूत दावेदार हो सकते हैं लेकिन अब वह अपनी पत्नी सायरा अनीस के लिए टिकट कराने को लाईन मे खडे है। सम्मल की जनता और सूत्रों की माने तो सपा के टिकट के लिए सबसे मजबूत दावेदार है इसी तरह विधायक गुटके और भी प्रत्याशी अपनी दावेदारी पेश करते नजर आ रहे हैं जिसमें दीवा शान लेकिन परिवारवाद को लेकर हमेशा सपा बीजेपी के निशाने पर रही है इसलिए यहां शान दीवा की दावेदारी कमजोर हो सकती है वही साजिद अली खान अपनी पत्नी के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं और कामिल एडवोकेट भी सपा के टिकट की कतार में खड़े हैं उधर सांसद खेमे की बात करें तो यहां भी लंबी लाइन नजर आ रही है जिसमें यासीन सम्भली जुगनू खान व अशरफ किदवई भी अपनी पत्नी को टिकट दिलाने के लिए दौड़ लाईन मे है लेकिन बताते चले कि यासीन सम्मली लगातार लोगों के बीच जाकर अपनी पकड़ बनाने में कामयाब रहे हैं उनकी दावेदारी को भी एक मजबूत दावेदारी माना जा रहा है लेकिन फिर भी जब हमारी टीम ने लोगों से बात की तो वहां सबसे पहले जो नाम आया वह हाजी अनीस का था क्योंकि लगातार हाजी अनीस लोगों से मिलकर अपनी पैठ बनाने में कामयाब रहे हैं इसीलिए लोगों की पहली पसंद बन चुके हाजी अनीस सपा के टिकट की दौड़ में सबसे आगे हैं लेकिन अब तो वक्त ही तय करेगा सपा के हाई कमान किसको टिकट देकर नगर निकाय चुनाव लडने की स्वाकृति देते है। लेकिन जो भी सपा के टिकट से सम्मल नगर पालिका का चुनाव लडता है। उसकी जीत पक्की माना जाती रही है। इस लिए हर कोई सपा के टिकट से कराने को हर जतन करने को तैयार है।

सम्मल। सम्मल नगर पालिका परिषद के चुनाव में सभी प्रत्याशियों ने अपनी कमर कसना शुरु कर दिया है सूत्रों के मुताबिक अप्रैल के आखिरी सप्ताह या मई के शुरू सप्ताह में चुनाव होने की संभावना बताई जा रही है सम्मल नगर पालिका परिषद की सीट की बात की जाए तो सपा के टिकट के लिए हमेशा सुर्खियों में रहती है क्योंकि सांसद व विधायक दोनों ही समाजवादी पार्टी के हैं और दोनों ही अपने अपने प्रत्याशी को सपा के टिकट दिलाने मे ऐडी चोटी का जोर लगा देते है।

इस लिए दोनो ही खेमो मे सपा के टिकट को लेकर एक लंबी कतार है जो सफेदपोश अभी तक अपने लिए टिकट की दावेदारी कर रहे थे वह अपनी पत्नी के लिए टिकट लेने की लाइन में खड़े हैं बात करें सपा से टिकट की दावेदारी करने वाले प्रत्याशियो की तो हमारी टीम ने जब सम्मल नगर पालिका परिषद के 37 वार्डो मैं घूम कर लोगों से बात की तो लोगों की राय में सबसे पहला नाम आता है हाजी अनीस जो लगातार काफी समय से सम्मल विधायक के साथ रहकर और हर छोटे–बड़े कार्यक्रम में शामिल होकर

'किसी भी विद्यालय में बच्चे सामूहिक रूप से बाहर नहीं बैठेंगे... जिलाधिकारी'

'एमडीएम की गुणवत्ता पर रखा जाए विशेष ध्यान..जिलाधिकारी,'विद्यालयों में पाठ्य पुस्तकें समय से हो जाएं वितरित ..जिलाधिकारी'

'संभल (बहजोई)। आज कलेक्ट्रेट समागार बहजोई में जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स (प्राथमिक शिक्षा) की बैठक का आयोजन किया गया । जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि 1 अप्रैल से शैक्षणिक सत्र 2023 –24 की शुरुआत हो चुकी है इस शैक्षणिक सत्र में क्या क्या कार्य करना है उस पर चर्चा की गयी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा पाठ्य पुस्तकों के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा चार से कक्षा आठ तक लगभग शत प्रतिशत पुस्तकें आ गयी हैं तथा शीघ्र ही कक्षा एक से तीन तक भी जनपद में आ जाएंगी जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि शीघ्र पुस्तकों को स्कूलों में वितरित कराना सुनिश्चित करें । जिलाधिकारी ने पाठ्य पुस्तकों को विद्यालयों में पहुंचाने वाले बेंडरों के विषय में भी जानकारी प्राप्त की तथा समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बेंडरों का एक रोस्टर तैयार कर लें ताकि विद्यालयों में समय से पाठ्य पुस्तकें पहुंच सकें । जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि पाठ्य पुस्तकें स्कूलों में पहुंचाने वाले वेंडर को नोटिस जारी करें ताकि पुस्तकों का वितरण की गति में तेजी आए।

एसएफसी के सदस्यों की प्रेरणा पोर्टल पर फीडिंग के विषय में जिलाधिकारी ने समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शीघ्र ही फीडिंग का कार्य कराना सुनिश्चित करें । जिला स्तरीय अधिकारियों के विद्यालय निरीक्षण से संबंधित जानकारी को प्राप्त करते हुए जिलाधिकारी ने समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निरीक्षण का कार्य पूर्ण करें। जिलाधिकारी ने जिला समन्वयक समेकित शिक्षा एवं बालिका शिक्षा को विद्यालय निरीक्षण के संबंध में कठोर चेतावनी जारी की तथा निर्देशित करते हुए कहा कि निरीक्षण का कार्य शीघ्र करें। रसोइयों का मानदेय को लेकर भी जिलाधिकारी ने जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा जिलाधिकारी ने मिड डे मील के विषय में भी जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि एमडीएम की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए तथा जहां भी खाना बनाया जाता है एवं जहाँ बच्चों द्वारा खाया जाता है वहां की साफ़ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। तथा खाने से पूर्व बच्चों के हाथ भी धुल वाए जाएं जिलाधिकारी ने विद्यालय में बनने वाले मिड डे मील के मानकों के अनुपालन पर नाराजगी व्यक्त की और संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जब भी जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा स्कूलों का निरीक्षण किया जाएगा तो बच्चों को दिए जाने वाले भोजन के मानक अनुरूप होने चाहिए अगर मानकों में कमी पाई गई तो खंड शिक्षा अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी । जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों (मसाला बनाने वाले) को मिड–डे–मील से जोड़ने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जब भी कोई बैठक की जाए तो उसका कार्यवृत्त उसी दिन जारी हो तथा उसका अनुपालन भी किया जाए और अगली मीटिंग में जो निर्देश दिए गए उन पर क्या अनुपालन हुआ है उसको भी मीटिंग के अंतर्गत रखा जाए। मिड डे मील के अंतर्गत मौसमी फल बच्चों को उपलब्ध कराए जाएं तथा बच्चों को दिया जाने वाला दूध भी गुणवत्ता युक्त हो इस पर भी विशेष ध्यान रखा जाए। जिलाधिकारी ने समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालयों में बच्चों को सामूहिक रूप से बाहर नहीं बैठाया जाए अगर किसी भी स्कूल में निरीक्षण के समय अगर ऐसा पाया जाता है तो अध्यापक के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। साथ ही खंड शिक्षा अधिकारी की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि बच्चों को जितने समय का पाठ्यक्रम है उस समय में ही पाठ्यक्रम को पूर्ण कर लिया जाए । जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जहां–जहां एनजीओ के माध्यम से मिड डे मील की व्यवस्था की जा रही है वहां भी रसोईयों को रखा जाए। किचन गार्डन को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि खीरा, ककड़ी टमाटर इत्यादि किचन गार्डन में लगवाए जाएं ताकि बच्चों को अच्छी सलाद तथा सब्जियां मिल सकें । जिलाधिकारी ने कायाकल्प के विषय में भी जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा टायलीकरण को लेकर विकासखंड बार जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जिला स्तरीय अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में डस्टबिन , डोरमैट,ग्रीन बोर्ड मल्टीपल हैंड वाश क्रियाशील मिलने चाहिएं अगर इस प्रकार के कार्य नहीं मिलते हैं तो संबंधित के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी ।

विद्युत कनेक्शन आदि को लेकर भी जानकारी प्राप्त की तथा जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि आगे से इस मीटिंग में विद्युत विभाग के प्रतिनिधि को भी शामिल किया जाए। जिलाधिकारी ने विद्यालयों की चारदीवारी को लेकर भी जानकारी प्राप्त की तथा तथा जिला विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि एपीओ ,टीए को बुलाकर आईडी बनवा कर उनसे कार्य शुरू करवाया जाए । जिलाधिकारी ने कम्पोजिट ग्रांट के विषय में जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन जिन खंड शिक्षा अधिकारियों के क्षेत्र में कम्पोजिट ग्रांट का पैसा लैप्स हुआ है उन खंड शिक्षा अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाए।

जर्जर भवन को लेकर भी जिलाधिकारी ने जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी बच्चा किसी भी जर्जर भवन में नहीं बैठेगा कोई भी बच्चा खुले में भी नहीं बैठेगा अगर इस प्रकार की कोई शिकायत मिलती है तो संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी

निपुण भारत के विषय में जानकारी प्राप्त की तथा जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से ऐसे स्कूलों के विषय में जहां एक अध्यापक कार्य कर रहा है उसके विषय में भी जानकारी प्राप्त की तथा उन्होंने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जिस विद्यालय में 5 से ज्यादा अध्यापक(प्राथमिक एवं जूनियर)में है और जहां एक अध्यापक है वहां अध्यापक को अटैच किया जाए कोई भी स्कूल ऐसा ना बचे जहां एक अध्यापक कार्य कर रहा हो।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कमलेश सचान, जिला विकास अधिकारी रामाशीष ,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार जिला पंचायत राज अधिकारी जाहिद हुसैन एवं समस्त खंड शिक्षा अधिकारी तथा बेसिक शिक्षा विभाग के समस्त जिला समन्वयक भी उपस्थित रहे।

आयोग से की शिकायत, पुलिस ने दर्ज की लूट की रिपोर्ट

अलीगढ़। इगलास कोतवाली क्षेत्र के गांव सेवनपुर निवासी सुभाषचंद्र पुत्र भिकारीलाल का कहना है कि वह टर्री चलाकर परिवार का पालन करता है। 10 फरवरी 2023 को रात्रि 10 बजे घर जा रहा था रास्ते में गांव के कुछ दबंगों ने रोक लिया। गाली गलौज व जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट की। जेब में रखे 1050 रुपये भी छीन लिए और टर्री को क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित का कहना है कि पुलिस को सूचना दी तो उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। उसने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, दिल्ली में शिकायत की थी। इंस्पेक्टर ने बताया कि इस संबंध में गांव सेवनपुर निवासी छोटू, गब्बर, दीपक, कलुआ व कस्बा के पथवारी मोहल्ला निवासी धर्मेंद्र के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है।

विवेक बंसल ने क्रिकेट खिलाड़ी सलीम दुर्रानी के निधन पर जताया शोक

अलीगढ़। अपने ज़माने के जाने माने तेज़ तर्रार क्रिकेट खिलाड़ी सलीम दुर्रानी के निधन से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई दिवंगत। क्रिकेटर को श्रद्धांजलि देने के लिए एक शोकसभा अलीगढ़ स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक बंसल के कार्यालय मैरिस रोड पर हुई प् यहां उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए विवेक बंसल ने कहा कि सलीम दुर्रानी अपने समय में नैसर्गिक प्रतिभा वाले क्रिकेटर थे उन्होंने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से क्रिकेट जगत में काफी ऊँचा मुकाम पाया प् उनकी सबसे बड़ी खासियत थे थी कि जब वे बल्लेबाजी करने आते थे तो कुछ ही समय बाद दर्शकों की ओर से उनके छक्का लगाने की मांग शुरू हो जाती थी थे उनका ही पुरुषार्थ और पराक्रम था कि वे दर्शकों की मांग को पूरा करने में देरी नहीं करते थे जिसके लिए उन्हें फर्मयशी छक्के लगाने वाला हीरो कहा जाता था

उनकी विलक्षण प्रतिभा से प्रभावित होकर भारत सरकार ने उन्हें अर्जुन पुरुस्कार से सम्मानित किया था सौभाग्य से वे पहले क्रिकेट खिलाड़ी थे जिन्हें अर्जुन पुरुस्कार से सम्मानित किया गया था प् उनके निधन से क्रिकेट जगत को भारी क्षति पहुंची है प् शोकसभा में उपस्थित लोगों में पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी इं० फसाहत अली, ए.एसए के सचिव सय्यद अब्दुल वहाब, अरविन्द भार्गव, अर्जुन सिंह फकीरा, सर्वेश कुमार, रईस अहमद, मसूद अमिनी, मंसूर अहमद, आदि ने दो मिनट का मौन रखकर सलीम दुर्रानी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

फोटो स्टूडियो में आग से दुकान का पूरा सामान जला

जट्टारी। करवा जट्टारी के जरतौली रोड स्थित समीप डीएस स्कूल के पास छाया फोटो स्टूडियो में रविवार रात को अज्ञात कारणों से आग लग गई जिससे दुकान में रखे कंप्यूटर, प्रिंटर, तीन एलईडी, वीडियो कैसेट, एल्बम, व दुकान में लगा फर्नीचर जलकर राख हो गया। सुबह होने पर दुकान मालिक ने स्टूडियो स्वामी को घटना की जानकारी दी।

दुर्गापुर निवासी सतवीर ने बताया कि एक तारीक की शाम को दुकान की लाइट व दुकान को सही तरीके से बंद की थी व खेती के कार्य में व्यस्त रहने के के कारण दुकान दो दिन बंद रही। सोमवार सुबह दुकान स्वामी ने दुकान में आग लगने की सूचना दी जिस पर मैने दुकान पर जाकर देखा तो दुकान का करीब डेढ लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

बता दें कि बीते 1 जनवरी को ही दुकान का शुभारंभ हुआ था एवं दुकान में लगी आग का कारण अभी तक स्पष्ट नही हो सका है।

निर्वाचक नामावलियों का किया गया अंतिम प्रकाशन

कासगंज। अपर जिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी डा0 वैभव शर्मा ने अवगत कराया है कि जनपद कासगंज की समस्त नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों, तहसील मुख्यालयों एवं जिला मुख्यालय पर निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 01 अप्रैल 2023 को करा दिया गया है।

पोषण पखवाड़े के समापन पर विधायक सदर ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा शिशुओं का कराया अन्न प्राशन

स्वस्थ बालक बालिकाओं तथा मोटे अनाज से उत्कृष्ट व्यंजन बनाने पर आंगनबाडी कार्यकत्रियों को किया पुरूस्कृत।

कासगंज। जनपद में 20 मार्च से 03 अप्रैल 2023 तक आयोजित पोषण पखवाड़े के समापन के अवसर पर विकास भवन के विवेकानंद सभागार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक सदर देवेन्द्र सिंह राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बॉबी कश्यप व मुख्य विकास अधिकारी सचिन ने आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत गर्भवती महिलाओं को फलों की टोकरी देकर गोद भराई की तथा 6 माह के पंजीकृत शिशुओं का अन्न प्राशन कराया। 06 वर्ष तक के स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा में विजेता बालक बालिकाओं को पुरूस्कृत किया गया। परिसर में समस्त बाल विकास परियोजनाओं द्वारा लगाये गये स्टालों में मॉडल, पेंटिंग व टीएलएम–टीचिंग लर्निंग मैटेरियल बनाने तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों में वितरित होने वाले ड्राई राशन व मोटे अनाज से उत्कृष्ट व्यंजन बनाने वाली प्रत्येक ब्लाक की तीन तीन आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विधायक सदर ने इस अवसर पर कहा कि सरकार द्वारा पोषण पखवाड़े के माध्यम से मोटे अनाज की उपयोगिता के बारे में बताया गया है, जिससे शरीर स्वस्थ होगा और बीमारियां दूर होंगी। सरकार द्वारा जिले में 25 नवीन आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कराया जा रहा है। गैस सिलेण्डर और चूल्हा निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। महिलाओं की असुविधा को ध्यान में रखकर शौचालय बनवाये गये हैं। पात्र महिलाओं को निःशुल्क आवास दिये जा रहे हैं। प्रत्येक गांव को सडकों से जोडकर टयूबवैल के बिल माफ कर दिये गये हैं। मुख्य विकास अधिकारी सचिन ने कार्यक्रम में उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को संबोधित करते हुये कहा कि आपकी पहुंच घर घर में है। आप मोटे अनाज की उपयोगिता को जनसामान्य तक पहुंचायें। उसमें बीमारियां दूर हों और आमजन का स्वास्थ्य बेहतर बने। पोषण पखवाड़े के समापन कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अवध किशोर प्रसाद, जिला विकास अधिकारी संजय कुमार तथा अन्य सम्बंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में समस्त बाल विकास परियोजनाओं की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां व सहायिकायें उपस्थित रहीं।

जनपद में 25 मई तक के लिये धारा 144 लागू

कासगंज। जिला मजिस्ट्रेट हर्षिता माथुर द्वारा आगामी त्यौहारों तथा धार्मिक एवं राजनैतिक गतिविधियों के दृष्टिगत शांति व्यवस्था एवं जनसुरक्षा बनाये रखने के दृष्टिगत जनपद की सम्पूर्ण सीमा में 25 मई 2023 तक के लिये दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। जारी आदेशों के अनुसार किसी भी व्यक्ति या संगठन द्वारा किसी भी कार्यक्रम के माध्यम से साम्प्रदायिक सदभाव एवं सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास नहीं किया जायेगा। किसी भी व्यक्ति को आग्नेय अस्त्र, शस्त्र, विस्फोटक पदार्थ को साथ लेकर चलने या प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है।

किसी भी प्रकार के समारोह, कार्यक्रम या जुलूस का आयोजन या लाउडस्पीकर आदि का प्रयोग बिना अनुमति के नहीं किया जा सकेगा। झूठी अफवाहें फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के सार्वजनिक स्थान पर किसी भी इलैक्ट्रानिक या सोशल मीडिया द्वारा सार्वजनिक स्थल पर कोई भी डिवेट या परिचर्चा आयोजित नहीं की जायेगी। बाजार बंदी का पालन किया जाये। सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, मण्डियों आदि में सोशल डिस्टेंस का पालन हो तथा मास्क व सेनेटाइजर का प्रयोग किया जाये। जारी आदेशों का उल्लंघन पाये जाने पर कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

एन आर पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों का वार्षिक परीक्षा पुरस्कार समारोह बड़े ही धूमधाम से आयोजित हुआ

कासगंज जिले के प्रख्यात एन आर पब्लिक स्कूल में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन संस्था के प्रबंधक श्री विवेक कुमार राजपूत, विद्यालय के डायरेक्टर श्री राधे भैया, प्रधानाचार्य शिशुपाल सिंह, श्री राजवीर सिंह राजू भैया (मेंबर ऑफ पार्लियामेंट कांस्टीट्यूएंसी एटा), श्री के पी सिंह सोलंकी (जिला अध्यक्ष बीजेपी कासगंज), श्री देवेंद्र राजपूत (एमएलए कासगंज), श्री हरिओम वर्मा (एमएलए अमापुर), डॉक्टर किशन वीर सिंह (एक्स मेंबर यूपीपीएससी प्रयागराज), डॉक्टर सनिल कुमार (एक्स चेयरमैन यूपी सेकेंडरी सर्विस सिलेक्शन बोर्ड) जी ने दीप प्रज्वलित कर किया इस दौरान छात्र–छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से की गई इसके बाद भारतीय संस्कृति की सत्यता को दर्शाते हुए नाटक श्यूमेन एंपावरमेंटश्, रेट्रो एक्ट, मोबाइल एडिक्शन एक्ट, पेड़ बचाओ अभियान एक्ट आदि प्रस्तुति ने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया जागरूकता अभियान पर भी नाटक प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुति देकर अभिभावकों तथा विद्यालय में पधारे अतिथिगणों का भी मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय में पधारे चीफ गेस्ट प्रेमलता वर्मा जी ने कहा के बच्चों ने अद्भुत कार्यक्रम प्रस्तुत किए। भारतीय संस्कृति को दर्शाते और महापुरुषों की याद करते हुए कई नाटक भी प्रस्तुत किए।

इस दौरान वहां मौजूद अभिभावकों और शिक्षकों ने तालियां बजाकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। सभी मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया।

समारोह को सफल बनाने के लिए छात्रों के प्रयासों की सराहना भी की। कार्यक्रम में प्रथम स्थान पर आने वाले विद्यार्थी अंशु पाल, अब्दुल, कृष्णा, अदिति, सूर्यांश, सोनाली, एंजेल, ख्याति, आदर्श, ऋषिका, आकांक्षा, सूर्यांशी, वरुण, पियूष, निष्ठा, निशु, अर्पित, उत्कर्ष, गुंजन आदि रहे इसी क्रम में द्वितीय स्थान पर हर्ष, प्रियांशी, दिव्यांशी, कृतिका, मोहित, नंदिता, मुस्कान, रितेश, सक्षम कुदेशिया, प्रियांश, प्रिया, आराध्या, प्रिंस, शोभित, संस्कार, अनुष्का शर्मा आदि रहे तथा तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थी गणेश, राजपूत, यस, लड्डू गोपाल, उत्सव कुमार, हर्षित कुमार, देवांश, दक्षा, अक्षत कुदेशिया, निधि आदि रहे इसके पश्चात विद्यालय में वर्षभर रहे बेस्ट अनुशासित विद्यार्थी, बेस्ट म्यूजिशियंस, बेस्ट हिंदी इंग्लिश संस्कृत वक्ता, मैथमेटिशियन अवार्ड, जेसी बसु अवार्ड, बेस्ट डांसर, बेस्ट वॉलिंटियर, बेस्ट हैंडराईटिंग, बेस्ट पेंटर अवार्ड, मोस्ट अवेयर पेरेंट्स, मॉनिटर आदि कैटेगरी के विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के कुलदीप शर्मा, पी सिंह, भूपेंद्र कुमार, श्वेता सिंह, अमित उपाध्याय, जवाहर सिंह, सुमन वर्मा, शिवम माहेश्वरी, भावना, रजनी, राजीव तिवारी, खुशबू तिवारी, बबीता राजपूत, पूनम सिंह, पवन माहेश्वरी, अनीता, रोहित पचौरी, अंकुर गौर, मोह प्रकाश, अनामिका वशिष्ठ, जवाहर सिंह, प्रियांशी अग्रवाल, कायनात, कार्तिके, सुमन यादव, रिचा आदि उपस्थित रहे।

सात भट्ठों पर एसडीएम ने की कार्रवाई

इगलास। सोमवार को एसडीएम ने कई सात भट्ठा संचालकों को दिया नोटिस, वहीं एनजीटी के नियमों के विरुध्द संचालित की पायलेट में फायर ब्रिगेड कर्मियों से पानी भरवाया है।

एसडीएम भावना विमल ने बताया कि सोमवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसीलदार डॉ. गजेन्द्र प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार श्वेता जिंदल, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कर्मचारियों व फायर ब्रिगड के कर्मचारियों के साथ भट्ठों पर चौकिंग की गई।

चौकिंग के दौरान राम ईंट उद्योग, चिराग ईंट उद्योग, भगवती ईंट उद्योग, बाबा ईंट उद्योग सहित सात भट्ठों की फायर ब्रिगेड कर्मचारियों से पाइलेटों में पानी भरवाया गया है। इसके साथ ही संबंधित भट्ठा स्वामियों को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

हिंदुस्तानी शिक्षक ने कर दी अंग्रेजों की बोलती बंद

18वीं सदी में एक क्रांतिकारी हुए , पंडित तेजसिंह तिवारी । वह बचपन से ही हृष्ट – पुष्ट थे और उनके चेहरे पर एक अदभुत तेज था । इसलिए उनका नाम पंडित तेजसिंह तिवारी रखा गया । यह जनपद फिरोजाबाद के अंतर्गत ग्राम हिरनगांव के निवासी थे इनके पिता का नाम पंडित जवाहरलाल तिवारी था स अंग्रेजों के अत्याचार देखकर वह बहुत दुखी होते थे ।

जैसे – जैसे वह बड़े हुए , उन्होंने पाया कि अंग्रेज अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में भेजते हैं लेकिन भारतीयों के बच्चों की शिक्षा ही नहीं हो पा रही है । वह देखकर उन्होंने निर्णय किया कि वह स्वयं शिक्षा प्राप्त कर भारतीय बच्चों को पढ़ाएंगे , ताकि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों से परिचित हो सकें । तेजसिंह तिवारी ने भारतीय बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया । उनकी नियुक्ति एक स्कूल में हो गई । उनके पढ़ाने के तरीके से बच्चे बहुत खुश थे ।

धीरे – धीरे उनके पढ़ाने के तरीके की चर्चा हर ओर होने लगी । यह खबर अंग्रेजों तक भी पहुंच गई । एक दिन जब वह सुबह उठकर हाथ मुंह धो रहे थे , उसी समय एक अंग्रेज सिपाही इन्हें पकड़ कर अपने साहब के पास ले गया । अंग्रेज साहब इन्हें देखते ही बोला , ए आइए पंडित जी , सुना है आप बच्चों को बहुत अच्छी तरह से पढ़ाते हैं । कृपया मेरे बच्चों को भी घर पर आकर पढ़ा दिया करिए । अंग्रेज की बात सुनकर पंडित तेजसिंह तिवारी स्पष्ट बोले , क्षमा कीजिए , मैं केवल पाठशाला में पढ़ाता हूं । यदि आपके बच्चे वहां आ जाएंगे तो मैं उन्हें पढ़ा सकता हूं , लेकिन घर आकर बिल्कुल नहीं पढ़ा सकता । तेजसिंह तिवारी के मना करने पर अंग्रेज बोला , मैं तुम्हें इसके लिए ढेर सारा रुपया दूंगा । तुम्हारी जिंदगी संवर जाएंगी । पंडित तेजसिंह तिवारी मुस्करा कर बोले , ऐसी जिंदगी आपको मुबारक । हमें तो रूखी – सूखी मिल जाए तब भी जिंदगी मजे में चलती है । वस आप अंग्रेज यहां से निकल जाएं तो सोने पर सुहागा हो जाए । श पंडित तेजसिंह तिवारी की बात सुनकर अंग्रेज का खून खौल उठा । लेकिन वह शिक्षक पंडित तेजसिंह तिवारी को कुछ नहीं बोल पाया।

दैनिक प्रकाश समाचार पत्र 4 अप्रैल 2023

हिंदुस्तानी शिक्षक ने कर दी अंग्रेजों की बोलती बंद

18वीं सदी में एक क्रांतिकारी हुए , पंडित तेजसिंह तिवारी । वह बचपन से ही हृष्ट – पुष्ट थे और उनके चेहरे पर एक अद्भुत तेज था । इसलिए उनका नाम पंडित तेजसिंह तिवारी रखा गया । यह जनपद फिरोजाबाद के अंतर्गत ग्राम हिरनगांव के निवासी थे इनके पिता का नाम पंडित जवाहरलाल तिवारी था स अंग्रेजों के अत्याचार देखकर वह बहुत दुखी होते थे ।

जैसे – जैसे वह बड़े हुए , उन्होंने पाया कि अंग्रेज अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में भेजते हैं लेकिन भारतीयों के बच्चों की शिक्षा ही नहीं हो पा रही है । यह देखकर उन्होंने निर्णय किया कि वह स्वयं शिक्षा प्राप्त कर भारतीय बच्चों को पढ़ाएंगे , ताकि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों से परिचित हो सकें । तेजसिंह तिवारी ने भारतीय वच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया । उनकी नियुक्ति एक स्कूल में हो गई । उनके पढ़ाने के तरीके से बच्चे बहुत खुश थे ।

धीरे – धीरे उनके पढ़ाने के तरीके की चर्चा हर ओर होने लगी । यह खवर अंग्रेजों तक भी पहुंच गई । एक दिन जब वह सुवह उठकर हाथ मुंह धो रहे थे , उसी समय एक अंग्रेज सिपाही इन्हें पकड़ कर अपने साहव के पास ले गया । अंग्रेज साहव इन्हें देखते ही वोला , श आइए पंडित जी , सुना है आप बच्चों को बहुत अच्छी तरह से पढ़ाते हैं । कृपया मेरे बच्चों को भी घर पर आकर पढ़ा दिया करिए । अंग्रेज की वात सुनकर पंडित तेजसिंह तिवारी स्पष्ट वोले , क्षमा कीजिए , मैं केवल पाठशाला में पढ़ाता हूं । यदि आपके बच्चे वहां आ जाएंगे तो मैं उन्हें पढ़ा सकता हूं , लेकिन घर आकर विल्कुल नहीं पढ़ा सकता । तेजसिंह तिवारी के मना करने पर अंग्रेज वोला , मैं तुम्हें इसके लिए ढेर सारा रुपया दूंगा । तुम्हारी जिंदगी संवर जाएंगी । पंडित तेजसिंह तिवारी मुस्करा कर वोले , ऐसी जिंदगी आपको मुवारक । हमें तो रूखी – सूखी मिल जाए तव भी जिंदगी मजे में चलती है । वस आप अंग्रेज यहां से निकल जाएं तो सोने पर सुहागा हो जाए । श पंडित तेजसिंह तिवारी की बात सुनकर अंग्रेज का खून खौल उठा । लेकिन वह शिक्षक पंडित तेजसिंह तिवारी को कुछ नहीं बोल पाया।

Harangau Record

संदेश वाहक समाचार पत्र, 01/04/2023

प्रेरक प्रसंग

इस शिक्षक ने भारतीय बच्चों को बताए अधिकार और कर्तव्य, अंग्रेजों की कर दी बोलती बंद

18वीं सदी में एक क्रांतिकारी हुए, पंडित तेजसिंह तिवारी। वह बचपन से ही हृष्ट-पुष्ट थे और उनके चेहरे पर एक अद्‌भुत तेज था। इसलिए उनका नाम पंडित तेजसिंह तिवारी रखा गया। अंग्रेजों के अत्याचार देखकर वह बहुत दुखी होते थे। जैसे-जैसे वह बड़े हुए, उन्होंने पाया कि अंग्रेज अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में भेजते हैं लेकिन भारतीयों के बच्चों की शिक्षा ही नहीं हो पा रही है। यह देखकर उन्होंने निर्णय किया कि वह स्वयं शिक्षा प्राप्त कर भारतीय बच्चों को पढ़ाएंगे, ताकि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों से परिचित हो सकें। तेजसिंह ने भारतीय बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। उनकी नियुक्ति एक स्कूल में हो गई। उनके पढ़ाने के तरीके से बच्चे बहुत खुश थे। धीरे-धीरे उनके पढ़ाने के तरीके की चर्चा हर ओर होने लगी। यह खबर अंग्रेजों तक भी पहुंच गई। एक दिन जब वह सुबह उठकर हाथ मुंह धो रहे थे, उसी समय एक अंग्रेज सिपाही इन्हें पकड़ कर अपने साहब के पास ले गया। अंग्रेज साहब इन्हें देखते ही बोला, आइए पंडितजी, सुना है आप बच्चों को बहुत अच्छी तरह से पढ़ाते हैं। कृपया मेरे बच्चों को भी घर पर आकर पढ़ा दिया करिए। अंग्रेज की बात सुनकर पंडित तेजसिंह स्पष्ट बोले, क्षमा कीजिए, मैं केवल पाठशाला में पढ़ाता हूं। यदि आपके बच्चे वहां आ जाएंगे तो मैं उन्हें पढ़ा सकता हूं, लेकिन घर आकर बिल्कुल नहीं पढ़ा सकता। तेजसिंह के मना करने पर अंग्रेज बोला, मैं तुम्हें इसके लिए ढेर सारा रुपया दूंगा। तुम्हारी जिंदगी संवर जाएंगी। पंडित तेजसिंह मुस्करा कर बोले, ऐसी जिंदगी आपको मुबारक। हमें तो रूखी-सूखी मिल जाए तब भी जिंदगी मजे में चलती है। बस आप अंग्रेज यहां से निकल जाएं तो सोने पर सुहागा हो जाए। पंडित तेजप्रताप सिंह की बात सुनकर अंग्रेज का खून खौल उठा। लेकिन वह शिक्षक पंडित तेजसिंह को कुछ नहीं बोल पाया।

प्रेरक प्रसंग

इस शिक्षक ने भारतीय बच्चों को बताए अधिकार और कर्तव्य, अंग्रेजों की कर दी बोलती बंद

18वीं सदी में एक क्रांतिकारी हुए, पंडित तेजसिंह तिवारी। वह बचपन से ही हृष्ट-पुष्ट थे और उनके चेहरे पर एक अद्‌भुत तेज था। इसलिए उनका नाम पंडित तेजसिंह तिवारी रखा गया। अंग्रेजों के अत्याचार देखकर वह बहुत दुखी होते थे। जैसे-जैसे वह बड़े हुए, उन्होंने पाया कि अंग्रेज अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में भेजते हैं लेकिन भारतीयों के बच्चों की शिक्षा ही नहीं हो पा रही है। यह देखकर उन्होंने निर्णय किया कि वह स्वयं शिक्षा प्राप्त कर भारतीय बच्चों को पढ़ाएंगे, ताकि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों से परिचित हो सकें। तेजसिंह ने भारतीय बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। उनकी नियुक्ति एक स्कूल में हो गई। उनके पढ़ाने के तरीके से बच्चे बहुत खुश थे। धीरे-धीरे उनके पढ़ाने के तरीके की चर्चा हर ओर होने लगी। यह खबर अंग्रेजों तक भी पहुंच गई। एक दिन जब वह सुबह उठकर हाथ मुंह धो रहे थे, उसी समय एक अंग्रेज सिपाही इन्हें पकड़ कर अपने साहब के पास ले गया। अंग्रेज साहब इन्हें देखते ही बोला, आइए पंडितजी, सुना है आप बच्चों को बहुत अच्छी तरह से पढ़ाते हैं। कृपया मेरे बच्चों को भी घर पर आकर पढ़ा दिया करिए। अंग्रेज की बात सुनकर पंडित तेजसिंह स्पष्ट बोले, क्षमा कीजिए, मैं केवल पाठशाला में पढ़ाता हूं। यदि आपके बच्चे वहां आ जाएंगे तो मैं उन्हें पढ़ा सकता हूं, लेकिन घर आकर बिल्कुल नहीं पढ़ा सकता। तेजसिंह के मना करने पर अंग्रेज बोला, मैं तुम्हें इसके लिए ढेर सारा रुपया दूंगा। तुम्हारी जिंदगी संवर जाएंगी। पंडित तेजसिंह मुस्करा कर बोले, ऐसी जिंदगी आपको मुबारक। हमें तो रूखी-सूखी मिल जाए तब भी जिंदगी मजे में चलती है। बस आप अंग्रेज यहां से निकल जाएं तो सोने पर सुहागा हो जाए। पंडित तेजप्रताप सिंह की बात सुनकर अंग्रेज का खून खौल उठा। लेकिन वह शिक्षक पंडित तेजसिंह को कुछ नहीं बोल पाया।

संक्षिप्त समाचार

इग्नू नये दाखिले तथा पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ी

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)। इग्नू के जनवरी 2023 सत्र हेतु सभी कार्यक्रमों जैसे स्नातकोत्तर, स्नातक, पी. जी. डिप्लोमा, डिप्लोमा कार्यक्रमों में नए दाखिले तथा पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 मार्च 2023 तक बढ़ा दी है। छात्र दाखिले तथा पुनः पंजीकरण के लिए अंतिम तिथि का इंतजार न करें वे जल्द से जल्द ऑनलाइन माध्यम से दाखिला व पुनः पंजीकरण करें।डॉ0. मो. सफदरे आजम, क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी) ने बताया कि विद्यार्थी घर बैठे इग्नू में ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला एवं पुनः पंजीकरण कर सकते हैं जिसके लिए विद्यार्थी इग्नू की वेबसाइट, पहदेवन ब पद पर दिए गये लिंक से अपनी सुविधानुसार डेबिटकार्ड/क्रेडिटकार्ड या नेट बैंकिंग के माध्यम से अपनी फीस जमा कर सकते हैं।छात्रों को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त कार्यों को बिना किसी विलम्ब के समय से पूर्ण करलें। छात्र किसी भी असुविधा की स्थिति में इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय परिसर, रामघाट रोड, अलीगढ़ पर या फोन नंबर 8869829838 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिये 03 माह का रोस्टर जारी,डीएम की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस 01 अप्रैल को खैर में

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)। प्रदेश सरकार के दिशा निर्देशों के क्रम में माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस का रोस्टर अपर जिलाधिकारी नगर अमित कुमार भट्ट द्वारा जारी किया गया है। जारी रोस्टर के अनुसार 01 अप्रैल को जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह द्वारा तहसील खैर में जन समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा। इसी प्रकार डीएम द्वारा 15 अप्रैल को तहसील अतरौली में, 06 मई को तहसील कोल में, 20 मई को तहसील गंगाना में, 03 जून को तहसील इगलास में और 17 जून को तहसील कोल में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की जाएगी।

एएमयू एल्युमनाई बश्शदी द्वारा 344 छात्रों को मेरिट-कम-मीन्स स्कॉलरशिप

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)। अलीगढ़ एलुमनी एसोसिएशन, वाशिंगटन डीसी (एएएडीसी) ने शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 के लिए अमुवि के 344 छात्रों को योग्यता–सह–साधन छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं की योग्यता और वित्तीय स्थिति के आधार पर और एएमयू में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में पढ़ने वाले योग्य छात्रों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदान की जाती है।एएएडीसी की अध्यक्ष, शकीला रजा ने कहा कि एएएडीसी एएमयू में योग्य छात्रों का सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि हमारा मानना है कि शिक्षा सामाजिक और आर्थिक विकास की कुंजी है और हम अगली पीढ़ी के नेताओं और पेशेवरों का सहयोग करने में गर्व महसूस करते हैं।उन्होंने कहा कि 2000 आवेदनों में से 344 छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं का चयन कठोर आवेदन और मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया, जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियों का आकलन, वित्तीय आवश्यकता और आवेदकों का व्यक्तिगत विवरण शामिल था"344 चयनित छात्रों में से, 200 छात्र पहले से छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं और शेष 144 छात्रों को प्रोफेसर इकराम खान के नेतृत्व में एएमयू एलुमनी अर्कीवर्स कमेटी की प्रतिनिधि टीम द्वारा चुना गया है।एएमयू के वाइस चांसलर प्रो तारिक मंसूर ने कहा कि हम अलीगढ़ एलुमनी एसोसिएशन वाशिंगटन डीसी के उदार सहयोग के लिए उनके आभारी हैं। ये स्कॉलरशिप हमारे छात्रों को बिना किसी वित्तीय बाधा के अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम बनाएगी। हम एएमयू छात्रों के कल्याण के लिए एलुमनाई एसोसिएशन की प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं।अलीगढ़ एलुमनाई एसोसिएशन वाशिंगटन डीसी की स्थापना 1975 में हुई थी और यह चार दशकों से अधिक समय से एएमयू में शिक्षा और अनुसंधान को अपनी योग्यता सह साधन छात्रवृत्ति के माध्यम से समर्थन दे रहा है।

शिवाश्रित फूड्स को मिला पायनियर इकाई का गौरव

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)।जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा शिवाश्रित फूड्स प्राइवेट लिमिटेड को जनपद की प्रथम पायनियर इकाई घोषित किया गया है। इसके लिए स्वयं डीएम ने इकाई स्वामी निशांत एवं प्रशांत को बधाई भी दी। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश असीम संभावनाओं वाला प्रदेश है। अलीगढ़ दिल्ली एनसीआर से सटा होने एवं रेल व सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होने के कारण कच्चे माल एवं उत्पादों का आवागमन सरलता के साथ होने के कारण इकाइयों के संचालन के लिए काफी सुविधाजनक है। प्रदेश सरकार भी नवीन इकाइयों की स्थापना, विस्तारीकरण एवं संचालन के लिए नई औद्योगिक नीति के तहत निवेशकों, उद्यमियों को विभिन्न प्रकार की सहूलियतें प्रदान कर रही है।क्या है पायनियर इकाई।संयुक्त आयुक्त उद्योग वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित औद्योगिक नीति के तहत पायनियर इकाई घोषित होने पर इंडस्ट्री को 15 वर्ष तक इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी में छूट प्रदान की जाएगी। सामान्य तौर पर यह छूट 10 वर्ष तक दिए जाने का प्रावधान है। शिवाश्रित फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, पोटेटो लेक्स उत्पादन की जनपद की प्रथम इकाई होने पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी की स्वीकृति के उपरांत पायनियर इकाई घोषित किया गया है।

एएमयू प्रो. नौशाद अली को शोध अनुदान स्वीकृत

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)। अमुवि के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के प्रो0 नौशाद अली पीएम को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा भारत में पुस्तकालयों, अभिलेखागार और संग्रहालयों (एलएएम) में आपदा प्रबंधन रोकथाम, तैयारी और कार्रवाई पर एक सर्वेक्षण' विषय पर काम करने के लिए 10 लाख रुपये का शोध अनुदान मंजूर किया गया है।प्रो नौशाद ने कहा कि भारत में पुस्तकालय, अभिलेखागार और संग्रहालय अपने अद्वितीय भू–जलवायु स्थान और लोगों से संभावित जोखिमों के कारण विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील हैं। राष्ट्रीय महत्व के प्रत्येक संस्थान को एक आपदा प्रबंधन रणनीति की आवश्यकता होती है और इस परियोजना का उद्देश्य भारत में पुस्तकालयों, अभिलेखागार और संग्रहालयों में आपदा प्रबंधन योजनाओं की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना और उनके लिए आपदा प्रबंधन योजनाओं और नीतियों का प्रस्ताव करना है।

जिला जज ने डीएम–एसएसपी के साथ जिला जेल का किया निरीक्षण

साफ–सफाई, किचन एवं बन्दियों की उत्कृष्ट कारीगरी की प्रशंसा की

हैल्थ एटीएम से बन्दियों को दी जा रही सुविधाओं की ली जानकारी

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)। जिला जज डा0 बब्बू सारंग, जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी द्वारा संयुक्त रूप से जिला जेल का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। माह जिला जज ने परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था दुरूस्त पाए जाने पर संतोष प्रकट करते हुए कहा कि बन्दियों के भी अपने अधिकार होते हैं, ऐसे में उन्हें मूलभूत सुविधाएं एवं साफ–सफाई प्रदान करना हमारी नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी बन्दी को कानूनी या विधिक सहायता की जरूरत हो तो उसे उपलब्ध कराया जाए। माह मुक्तकंठ से सराहना की निरीक्षण के दौरान अधिकारीगणों ने खान–पान की गुणवत्ता को परखने के लिए जेल में संचालित किचन का अवलोकन किया जहां खाने की गुणवत्ता एवं अन्य सामान पर संतोष प्रकट किया। जेल में प्रशिक्षित बन्दी कारीगरों द्वारा बनाए गए लकड़ी के सामान कुर्सी, मेज एवं अन्य फर्नीचर को देखकर यह उत्कृष्ट कारीगरी की प्रशंसा किए बिना न रह सके। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा बन्दियों को विभिन्न प्रकार की कारीगरी में प्रशिक्षण प्रदान करने का मुख्य उद्देश्य यही है जब आप लोग यहां से वापस समाज की मुख्यधारा में लौटेंगे तो आप अपनी मेहनत के बल पर सम्मान के साथ अपना और अपने परिवार का जीवन यापन कर सकें। उच्चाधिकारियों ने सीएमओ डा0 नीरज के साथ बन्दियों की विभिन्न प्रकार की त्वरित जांच के लिए जेल में ही स्थापित हैल्थ एटीएम की कार्यप्रणाली एवं उससे बन्दियों को मिलने वाले लाभ के बारे में भी आवश्यक जानकारी प्राप्त की।इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश कुमार नागर, जेल अधीक्षक बिजेन्द्र यादव, जेलर पी. के. सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एएमयू कुलपति ने पुस्तकों औ पत्रिकाओं का किया विमोच

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)। अमुवि के कुलपति प्रो0 तारिक मंसूर ने प्रशासनिक ब्लॉक के चयन

समिति कक्ष में लगभग एक दर्जन पुस्तकों और पत्रिकाओं का विमोचन किया।विमोचन में शामिल पुस्तकों में 'अलीगढ़ जर्नल ऑफ लिंग्विस्टिक्स' (भाषा विज्ञान विभाग), प्रो मोहम्मद जहाँगीर वारसी द्वारा अनुवादित दो पुस्तकें, 'दवाखा' और 'ममती', 'उम्मुर–ए–तबिय्या प्रैक्टिकल बीयूएमएस' (प्रो. अशर कादिर, कुलित्यात विभाग), हिंदी गजल का सौन्दर्यशास्त्र' (डॉ. सायमा बानो, हिंदी विभाग), भदोही के कालीन उद्योग में परिवर्तन: सामाजिक बहिष्कार की घटना' (डॉ. असफिया करीमी, रीगीकोगी / ब्रिज कोर्स), तफसीर (रीयत्ल (यूनानी) फार्मेसी)' मोहम्मद बिलाल तफसी इस्लुल अदविया), एंड्स का हिंदुस्तानी शिक्षक ने क दी अंग्रेजों की बोलती बं

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)। 18वीं सदी में एक क्रांतिकारी हुए पंडित तेजसिंह तिवारी । वह बचपन से ही हृष्ट – पुष्ट थे और उनके चेहरे पर एक अद्भुत तेज था । इसलिए उनका नाम पंडित तेजसिंह तिवारी रखा गया । वह जनपद किरोलाबाद के अंतर्गत ग्राम हिरनगांव के निवासी थे इनके पिता का नाम पंडित जवाहरलाल तिवारी था स अंग्रेजों के अत्याचार देखकर वह बहुत दुखी होते थे । जैसे – जैसे वह बड़े हुए , उन्होंने पाया कि अंग्रेज अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में भेजते हैं लेकिन भारतीयों के बच्चों की शिक्षा ही नहीं हो पा रही है । यह देखकर उन्होंने निर्णय किया कि वह स्वयं शिक्षा प्राप्त कर भारतीय बच्चों को पढ़ाएंगे , ताकि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों से परिचित हो सकें । तेजसिंह तिवारी ने भारतीय बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया । उनकी नियुक्ति एक स्कूल में हो गई । उनके पढ़ाने के तरीके से बच्चे बहुत खुश थे । धीरे – धीरे उनके पढ़ाने के तरीके की चर्चा हर ओर होने लगी । यह खबर अंग्रेजों तक भी पहुंच गई । एक दिन जब वह सुब उठकर हाथ मुंह धो रहे थे उसी समय एक अंग्रेज सिपा इन्हें पकड़ कर अपने साहब पास ले गया । अंग्रेज साह इन्हें देखते ही बोला , आह पंडित जी , सुना है आप बच्च को बहुत अच्छी तरह से पढ़ा है । पता मेरे बच्चों को भी प पर आकर पढ़ा दिया करिए अंग्रेज की बात सुनकर पंडि तेजसिंह तिवारी स्पष्ट बोले हमा कीजिए , मैं केवल पाठशाल में पढ़ाता हूं । यदि आपके बच यहां आ जाएंगे तो मैं उन्हें प सकता हूं , लेकिन घर आक बिल्कुल नहीं पढ़ा सकता तेजसिंह तिवारी के मना कर पर अंग्रेज बोला मैं तुम्हें इस लिए डेढ़ सौ रुपया दूंगा तुम्हारी जिंदगी संवर जाएगी पंडित तेजसिंह तिवारी मुस्क कर बोले , ऐसी जिंदगी आपक मुबारक । हमें तो रूखी – सूख मिल जाए तब भी जिंदगी मज़े में चलती है । बस आप अंग्रे यहां से निकल जाएं तो सोने य सुहागा हो जाए । पंडित तेजसि तिवारी की बात सुनकर अंग्रे का खून खौल उठा । लेकि वह शिक्षक पंडित तेजसिंह तिवा को कुछ नहीं बोल पाया।

भविष्य को कैसे सुनहरा बनाएं

पैनल डिस्कशन में नगर आयुक्त ने रखी बेबाक राय

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)। दिल्ली के प्रगति विहार में 27 मार्च से 29 मार्च तक तीन दिवसीय देश के स्मार्ट सिटीज का आठवां इंडिया एक्सपो के अंतर्गत आयोजित

पैनल डिस्कशन में नगर आयुक्त ने प्रतिभाग करते हुए नगर निगम अलीगढ़ और अलीगढ़ स्मार्ट सिटी द्वारा आने वाले भविष्य को कैसे सुनहरा कल देने के लिए भविष्य की योजनाओं और तकनीकी के बारे में विस्तार से जानकारी दी।पैनल डिस्कशन में नगर आयुक्त अमित आसेरी ने कहा अलीगढ़ नगर निगम अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड आने वाले समय में अलीगढ़ वासियों और विशेष रूप से युवाओं को आधुनिक तकनीक का उपयोग और आधुनिक तकनीक युक्त अलीगढ़ की परियोजनाओं को बनाने के लिए पूर्ण रूप से प्रयासरत हैं।तीन दिवसीय स्मार्ट सिटी एक्सपो में अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा अलीगढ़ की खूबसूरती अथल ताल परियोजना का 3d डिजाइन का प्रदर्शन किया गया।एक्सपो में आने वाले लोगों ने अलीगढ़ स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट अथल ताल की भूरी भूरी प्रशंसा की।तीन दिवसीय एक्सपो में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़,आगरा,प्रयागराज,झांसी,मुरादाबाद,लखनऊ सहित स्मार्ट सिटी ने प्रतिभाग किया और नगर आयुक्त अमित आसेरी का सम्मान हुआ।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने महिला पुलिस बाइक रैली को नोएडा के लिए किया रवान

विधायक शहर, डीआईजी एवं डीएम–एसएसपी ने रैली को किया सम्बोधित

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)। प्रदेश सरकार के कार्यकाल का 01 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शक्ति की उपासना के पर्व चैत्र नवरात्रि में महिला पुलिस कर्मियों द्वारा दू व्हीलर वाहनों से महिला सशक्तिकरण रैली का आयोजन किया गया। अलीगढ़ पहुँची रैली को माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह, माननीय विधायक शहर मुक्ता सांसद राजा द्वारा पुलिस लाइन से वाहन रैली को रंग–बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर एवं हरी झंडी दिखाकर गंतव्य को रवाना किया गया। इस अवसर पर पुलिस उप निरीक्षक सुलेखा एट कुलकर्णी जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी भी उपस्थित रहे।मिशन शक्ति अभियान के तहत बालिकाओं व महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान व सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता एवं सशक्त बनाए जाने के उद्देश्य से वाहन रैली का आयोजन किया गया। डिप्टीकमि से रवाना हुई रैली सोमगार सायं अलीगढ़ पहुंची जहां रात्रि विश्राम के उपरांत पुलिस लाइन में आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि माँ जिला पंचायत अध्यक्ष एवं शहर विधायक द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर नोएडा के लिए रवाना किया गया। माँ जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में विकासोन्मुखी कार्यो एवं बेहतर कानून व्यवस्था के बलबूते दोबारा से सरकार बनी और 25 मार्च को मान्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सफलता पूर्वक 01 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण किया है। विधायक मुक्ता संजीव राजा ने कहा कि इस तरह के आयोजन से अवश्य ही महिलाओं में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा हर थाने में महिला हेल्प डेस्क, 1090 महिला हेल्प नंबर, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, एंबुलेंस सेवा 108 व 102 भी जा रही है। उन्होंने महिलाओं, बालिकाओं को आपातकालीन स्थिति में निर्भीक होकर हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने निर्भरता एवं आत्मरक्षा के गुण सीखने की सलाह दी।पुलिस उपमहानिरीक्षक सुरेशराव ए. कुलकर्णी ने 80 से 120 किलोमीटर प्रतिदिन की सफर यात्रा कर आगे

बढ़ रही रैली को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह रैली नारी शक्ति को सम्मान देने के लिए आयोजित की गई है।

प्रदेश सरकार महिला अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है।जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार वृद्धावस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना का बेह संचालन करते हुए महिलाओं सुरक्षा एवं सामाजिक संरक्षण का कार्य कर रही है। एसएस कलानिधि नैथानी ने कहा

रामघाट को पर्यटन स्थल घोषित करे सरकार

श्री गंगा सेवा समिति ने रामघाट स्थित गंगा घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान किया जन सामान्य से संपर्क

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)। श्री गंगा सेवा समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने अलीगढ़ से रामघाट स्थित गंगा घाट पहुंचकर स्वच्छता अभियान चलाया तथा स्थानीय कार्यकर्ताओं व जन सामान्य से संपर्क करके स्थिति का जायजा लिया तथा एक बैठक की। बैठक

में समिति के संस्थापक धर्मेन्द्र किशन कुमार डा ने कहा कि सरकार ने रामघाट में नए पुल का निर्माण कराकर अच्छा कार्य किया है सन् 2005 में यहां पर पुराना पुल संकरा होने कारण भयंकर दुर्घटना घटित हुई थी जिसमें कई श्रद्धालु काल कवलित तथा घायल हुए थे बैठक को संबोधित करते हुए समिति के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सेवाराम शर्मा ने कहा कि रामघाट एक प्राचीन व सांस्कृतिक महत्व का स्थल है यहां पर भगवान श्री जी के बड़े भाई बलराम जी ने एक शिव मंदिर की स्थापना की थी इसके अतिरिक्त यहां पर कई प्राचीन मंदिर है जो अत्यंत जीर्ण शीर्णअवस्था में है और जिन पर असामाजिक तत्वों की अतिक्रमण करने की निगाह है इन्हें पुरातत्व विभाग को सौंपा जाय।अलीगढ़ तथा अन्य स्थली से बड़ी संख्या में यहां से कांवरिये पवित्रजल गंगाजल ले जाते हैं और यहां मेला लगता है। इसे सरकार को पर्यटन स्थल घोषित करना चाहिए तथा घाटों को पक्का करके सभी सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए । स्थानीय कार्यकर्ता हेमंत शर्मा ने बताया कि सरकार रामघाट को पर्यटन स्थल घोषित कर देगी तो यहां पर लोगों को रोजगार मिलेगा। दयाशंकर शर्मा ने कहा कि यहां पर लोग खुले में शवों का दाह संस्कार करते हैं तथा सरकार को यहां पक्का मुक्तिधाम बनवाने की अत्यंत आवश्यकता है इसलिए शासन को अवश्य ध्यान देना चाहिए। आभा वार्ष्णेय ने कहा कि घाट कच्चे होने फिसलनहैं जिससे दुर्घटना की संभावना रहती है और गंदगी के अंबार लगे हुए हैं। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद अभी भी गंगा में स्थानीय नगरों से सीवरेज डाला जा रहा है इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है सभा की अध्यक्षता समिति के उपाध्यक्ष राम कुमार शर्मा व संचालन गिरीश शर्मा ने किया इस अवसर पर किरण कुमार डा, लक्ष्मण शर्मा, सेवाराम शर्मा, रामकुमार शर्मा, गिरीश शर्मा, आभा वार्ष्णेय, दयाशंकर शर्मा, कल्पना वार्ष्णेय, रज्जनी गुप्ता, हेमंत शर्मा, महेश चंद तथा अनेक स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

विजयगढ़–सासनी रोड पर ट्रैक्टर ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत से गांव में पसरा मातम

अलीगढ़,28 मार्च (संवाददाता)। विजयगढ़–सासनी रोड पर थाने के कुछ दूरी पर बाइक सवार को एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रैक्टर टक्कर मारने के बाद रफूचक्कर हो गया। परिवार के लोग उसे अलीगढ़ दीनदयाल हॉस्पिटल ले गए, यहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मानिकपुर निवासी धर्मसुमेरी (23) पुत्र पप्पू बाबा मजदूरी का कार्य करता था। मंगलवार की सुबह 8 बजे घर से मोटरसाइकिल पर विजयगढ़ के लिए किसी कार्य के लिए आया था। कार्य करके विजयगढ़–सासनी मार्ग होता हुआ थाने के कुछ ही दूर आगे, तो ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। राहगीरों ने फोन द्वारा परिवार के लोगों को आगत कराया। घायल धर्म मुसरी को दीनदयाल हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

शहीदी दरिया समाचार पत्र 28 मार्च 2023

हिंदुस्तानी शिक्षक ने कर दी अंग्रेजों की बोलती बंद

अलीगढ,28 मार्च (संवाददाता)। 18वीं सदी में एक क्रांतिकारी हुए पंडित तेजसिंह तिवारी । वह बचपन से ही हृष्ट – पुष्ट थे और उनके चेहरे पर एक अद्भुत तेज था । इसलिए उनका नाम पंडित तेजसिंह तिवारी रखा गया । यह जनपद फिरोजाबाद के अंतर्गत ग्राम हिरनगांव के निवासी थे इनके पिता का नाम पंडित जवाहरलाल तिवारी था स अंग्रेजों के अत्याचार देखकर वह बहुत दुखी होते थे । जैसे – जैसे वह बड़े हुए , उन्होंने पाया कि अंग्रेज अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में भेजते हैं लेकिन भारतीयों के बच्चों की शिक्षा ही नहीं हो पा रही है । यह देखकर उन्होंने निर्णय किया कि वह स्वयं शिक्षा प्राप्त कर भारतीय बच्चों को पढ़ाएंगे , ताकि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों से परिचित हो सकें । तेजसिंह तिवारी ने भारतीय वच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया । उनकी नियुक्ति एक स्कूल में हो गई । उनके पढ़ाने के तरीके से बच्चे बहुत खुश थे । धीरे – धीरे उनके पढ़ाने के तरीके की चर्चा हर ओर होने लगी । यह खवर अंग्रेजों तक भी पहुंच गई । एक दिन जब वह सुवह उठकर हाथ मुंह धो रहे थे , उसी समय एक अंग्रेज सिपाही इन्हें पकड़ कर अपने साहव के पास ले गया । अंग्रेज साहव इन्हें देखते ही वोला , आइए पंडित जी , सुना है आप बच्चों को बहुत अच्छी तरह से पढ़ाते हैं । .पया मेरे बच्चों को भी घर पर आकर पढ़ा दिया करिए । अंग्रेज की वात सुनकर पंडित तेजसिंह तिवारी स्पष्ट वोले , क्षमा कीजिए , मैं केवल पाठशाला में पढ़ाता हूं । यदि आपके बच्चे वहां आ जाएंगे तो मैं उन्हें पढ़ा सकता हूं , लेकिन घर आकर विल्कुल नहीं पढ़ा सकता । तेजसिंह तिवारी के मना करने पर अंग्रेज वोला मैं तुम्हें इसके लिए ढेर सारा रुपया दूंगा । तुम्हारी जिंदगी संवर जाएंगी । पंडित तेजसिंह तिवारी मुस्करा कर वोले , ऐसी जिंदगी आपको मुवारक । हमें तो रूखी – सूखी मिल जाए तव भी जिंदगी मजे में चलती है । वस आप अंग्रेज यहां से निकल जाएं तो सोने पर सुहागा हो जाए । पंडित तेजसिंह तिवारी की बात सुनकर अंग्रेज का खून खौल उठा । लेकिन वह शिक्षक पंडित तेजसिंह तिवारी को कुछ नहीं बोल पाया।

एकदा दिनांक 28 सितंबर 2022
नवभारत टाइम्स समाचार पत्र

बस अंग्रेज निकल जाएं

18वीं सदी में एक क्रांतिकारी हुए, पंडित तेजसिंह तिवारी। वह बचपन से ही हृष्ट-पुष्ट थे और उनके चेहरे पर एक अद्भुत तेज था। इसलिए उनका नाम पंडित तेजसिंह तिवारी रखा गया। अंग्रेजों के अत्याचार देखकर वह बहुत दुखी होते थे। जैसे-जैसे वह बड़े हुए, उन्होंने पाया कि अंग्रेज अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में भेजते हैं लेकिन भारतीयों के बच्चों की शिक्षा ही नहीं हो पा रही है। यह देखकर उन्होंने निर्णय किया कि वह स्वयं शिक्षा प्राप्त कर भारतीय बच्चों को पढ़ाएंगे, ताकि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों से परिचित हो सकें।

तेजसिंह ने भारतीय बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। उनकी नियुक्ति एक स्कूल में हो गई। उनके पढ़ाने के तरीके से बच्चे बहुत खुश थे। धीरे-धीरे उनके पढ़ाने के तरीके की चर्चा हर ओर होने लगी। यह खबर अंग्रेजों तक भी पहुंच गई। एक दिन जब वह सुबह उठकर हाथ मुंह धो रहे थे, उसी समय एक अंग्रेज सिपाही इन्हें पकड़ कर अपने साहब के पास ले गया। अंग्रेज साहब इन्हें देखते ही बोला, 'आइए पंडितजी, सुना है आप बच्चों को बहुत अच्छी तरह से पढ़ाते हैं। कृपया मेरे बच्चों को भी घर पर आकर पढ़ा दिया करिए।' अंग्रेज की बात सुनकर पंडित तेजसिंह स्पष्ट बोले, 'क्षमा कीजिए, मैं केवल पाठशाला में पढ़ाता हूं। यदि आपके बच्चे वहां आ जाएंगे तो मैं उन्हें पढ़ा सकता हूं, लेकिन घर आकर बिल्कुल नहीं पढ़ा सकता।'

तेजसिंह के मना करने पर अंग्रेज बोला, 'मैं तुम्हें इसके लिए ढेर सारा रुपया दूंगा। तुम्हारी जिंदगी संवर जाएंगी।' पंडित तेजसिंह मुस्करा कर बोले, 'ऐसी जिंदगी आपको मुबारक। हमें तो रूखी-सूखी मिल जाए तब भी जिंदगी मजे में चलती है। बस आप अंग्रेज यहां से निकल जाएं तो सोने पर सुहागा हो जाए।' पंडित तेजप्रताप सिंह की बात सुनकर अंग्रेज का खून खौल उठा। लेकिन वह शिक्षक पंडित तेजसिंह को कुछ नहीं बोल पाया।

संकलन : रेनू सैनी

नवभारत टाइम्स समाचार पत्र
और पढ़ने के लिए देखें www.ekda.nbt.in

02 March 2021 swarajya times hindi daily agra

1800 सौ सदी में जन्मे हिरनगांव निवासी क्रांतिकारी : पंडित तेजसिंह तिवारी

अलीगढ़, (स्वराज्य टाइम्स)। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी का नाम बहुत शिद्दत से लिया जाता है मगर इतिहास में क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी का नाम गुमनामी की यादों में दबकर रह गया आज के अध्याय में क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी का जीवन परिचय और उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए एक क्रांतिकारी की जीवनी से आपको परिचय कराते हैं क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी (जन्म 1800 सदी) निवासी ग्राम हिरनगी जिला आगरा (वर्तमान- राजस्व ग्राम हिरनगाँव जनपद फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश) का जन्म इनकी कुलदेवी माता बेलोन (नरोरा) के आशीर्वाद से हुआ था इनके माता पिता को अपनी कुलदेवी पर अटूट विश्वास था मातारानी के आशीर्वाद से जन्म से ही इनका शरीर हष्ट पुष्ट एवं बलवान था बाल्यावस्था में इनके चेहरे पर इतना तेज एवं शरीर में शेर की भाति बल था इनके माता-पिता द्वारा इनके तेज एवं बल को देख कर इनका नाम पंडित तेजसिंह तिवारी रख दिया इनके दो छोटे भाई थे छोटे भाई का नाम फतेह सिंह तिवारी था तीसरे भाई का नाम अज्ञात है तीसरे भाई की शादी नहीं हुई थी बचपन से ही इनको अपने भाइयों से बहुत प्रेम था भाई मिलजुल कर कार्य करते थे और जो कुछ कार्य करने से धन मिलता था उससे अपना जीवन वापन परिवार चलाने के लिए करते थे बाल्यावस्था से ही हिंदुस्तान के प्रति देश प्रेम था, हिंदुस्तानियों के बच्चों को पढ़ने लिखने नहीं दिया जाता था और उन से काम कराया जाता था गौरो द्वारा अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाया जाता था एवं अच्छी शिक्षा दिलाई जाती थी पंडित तेजसिंह तिवारी को यह देखकर बहुत ही बुरा लगता था यह हिंदुस्तानी बच्चों को पढ़ाने का काम करने लगे,कुछ समय बाद इनकी अध्यापक की नौकरी लग गई एक दिन जब यह सुबह उठकर हाथ मुंह धो रहे थे उसी समय इनके घर पर एक अंग्रेज सिपाही आया और घर के बाहर से इनका नाम पुकारने लगा तभी अंदर से पंडित तेजसिंह तिवारी निकल कर बाहर आए और उस अंग्रेज सिपाही से पूछने लगे कि क्या काम है अंग्रेज सिपाही ने इनका नाम पूछा और इनसे कहने लगा कि आपको साहब ने बुलाया है यह कुछ समय बाद अंग्रेज अफसर के घर पर पहुंचे और उनसे पूछने लगे कि क्या काम है साहब तभी अंग्रेज अफसर ने इनसे अँग्रेजी मैं कहां कि पंडित जी आप बच्चों को पढ़ाने का काम करते हैं तो मेरे बच्चों को भी घर पर पढ़ा दिया करो, पंडित तेजसिंह तिवारी अंग्रेज अफसर द्वारा बोली गई अंग्रेजी को समझ चुके थे और इन्होंने अंग्रेज अफसर को अंग्रेजी में ही उत्तर दिया और कहा कि मैं किसी के घर पर बच्चों को नहीं पढ़ाता सिर्फ पाठशाला में बच्चों को शिक्षा देता हूं,यह सुनकर अंग्रेज अफसर गुस्से से तिलमिला गया और इनसे बोला कि पंडित जी आप अच्छा नहीं कर रहे हैं आपको बच्चें पढ़ाने के लिए जितने पैसे चाहिए उतने पैसे मैं दूंगा पंडित तेज सिंह तिवारी द्वारा अंग्रेज अफसर से कहा गया कि मैं पैसे का लालची नहीं हूं किसी अन्य अध्यापक से अपने बच्चों को पड़वा लीजिए यह कहकर पंडित तेजसिंह तिवारी अपने घर ग्राम हिरनगी (वर्तमान- राजस्व ग्राम हिरनगाँव जनपद फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश) में वापस आ गए और यह घटना अपने परिवार के सदस्यों को बताई,समय के साथ साथ इनका विवाह संपन्न हुआ इसके उपरांत इनको चार पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई इनके पुत्रों का नाम खुशालीराम तिवारी, उमरावसिंह तिवारी, रामलाल तिवारी, देवीराम तिवारी था प्रथम पुत्र रत्न प्राप्त होते ही इनके घर परिवार में खुशहाली आ गई सभी लोग बड़े प्रसन्न थे अपने परिवार की खुशहाली को देखते हुए इन्होंने अपने बड़े पुत्र का नाम पंडित खुशालीराम तिवारी रख दिया समय के साथ-साथ इनके चारों पुत्र बड़े होते गए और अपने सभी पुत्रों का विवाह समय को देखते हुए संपन्न कर दिया,पंडित तेजसिंह तिवारी हमेशा अपने बड़े पुत्र पंडित खुशालीराम तिवारी को बताया करते थे कि माता कुलदेवी दरअसल कुल या वंश की रक्षक देवी होती है। ये घर परिवार या वंश परम्परा की प्रथम पूज्य तथा मूल अधिकारी देवी होती है अतरू इनकी उपासना या महव दिए बगैर सारी पूजा एवं अन्य कार्य व्यर्थ हो सकते है। माता बेलोन कुलदेवी का आशीर्वाद प्राप्त कर क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी ने 1857 की क्रांति की जंग में भाग लिया 1857 की क्रान्ति की शुरूआत श10 मई 1857श की संध्या को मेरठ मे हुई थी और इसको समस्त हिंदुस्तानी 10 मई को प्रत्येक वर्ष क्रान्ति दिवस के रूप में मनाते हैं, फिरोजाबाद नगर के संबंध में 13 मार्च 1918 को उत्तर पश्चिम प्रदेश के वेरोशिक विभाग की एक फाइल जो कि सचिव सचिवालय उत्तर प्रदेश में है जिसमें 1857 क्रांति में आगरा क्षेत्र के अंतर्गत घटित घटनाओं का एक छोटा सा विवरण दिया गया है जिसमें कहा गया है कि फिरोजाबाद परगना में स्थित कुछ क्षेत्रों के निवासी हिंसात्मक कार्य में सक्रिय नहीं है फिर भी वह ब्रिटिश शक्ति की आज्ञा की अवहेलना कर रहे हैं इस वृत्तांत से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि फिरोजाबाद नगर में 1857 की क्रांति के बाद भी हिंदुस्तानियों के दिलों में क्रांति की भावना बनी रही, क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी का देहांत ग्राम हिरनगी (वर्तमान-राजस्व ग्राम हिरनगाँव जनपद फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश) में हो गया इनकी मृत्यु के बाद इनके पुत्रों को बहुत दुख हुआ।

Harangau Record

अलीगढ़, मथुरा, लखनऊ, आगरा, हाथरस (उ.प्र.) एवं फरीदाबाद, रेवाड़ी (हरियाणा) से प्रकाशित
E-papar के लिये लोगिन करें-
www.dainikrajpath.in
www.dainikrajpat.com
आर. एन. आई. पंजीयन सं. 46096/86
डाक पंजीयन सं.यू.पी.एल.जी./83/2015-2017

दैनिक
राजपथ

ब्रह्मलीन संस्थापक श्री मुकट बिहारी लाल 'नवरत्न' की विचारधारा को समर्पित

वर्ष 35 अंक संख्या 152 | अलीगढ़ बुधवार 07 अक्टूबर 2020 | प्रभात संस्करण | मूल्य-एक रूपये पचास पैसे (पृष्ठ 8)

"नन्दूमल"
देशी घी एवम् सरसों तेल
स्थापित 1962
मै० मक्खनलाल नन्दूमल
(शुद्ध देशी घी का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
महावीरगंज, अलीगढ़ दूरभाष: 2523866

आज हम भुला चुके 1800 सौ सदी में जन्मे एक क्रांतिकारी का नाम–पंडित तेजसिंह तिवारी

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी का नाम बहुत शिद्दत से लिया जाता है मगर इतिहास में क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी का नाम गुमनामी की यादों में दबकर रह गया आज के अध्याय में क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी का जीवन परिचय और उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए एक क्रांतिकारी की जीवनी से आपको परिचय कराते हैं क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी (जन्म 1800 सदी) निवासी ग्राम टिरनगौ जिला आगरा (वर्तमान–राजस्व ग्राम टिरनगाँव जनपद फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश) का जन्म इनकी कुलदेवी माता बेलोन (नरोरा) के आशीर्वाद से हुआ था इनके माता पिता को अपनी कुलदेवी पर अटूट विश्वास था मातारानी के आशीर्वाद से जन्म से ही इनका शरीर हष्ट पुष्ट एवं बलवान था बाल्यावस्था में इनके चेहरे पर इतना तेज एवं शरीर में शेर की भांति बल था इनके माता–पिता द्वारा इनके तेज एवं बल को देख कर इनका नाम पंडित तेजसिंह तिवारी रख दिया इनके दो छोटे भाई थे छोटे भाई का नाम फतेह सिंह तिवारी था तीसरे भाई का नाम अज्ञात है तीसरे भाई की शादी नहीं हुई थी बचपन से ही इनको अपने भाइयों से बहुत प्रेम था भाई मिलजुल कर कार्य करते थे और जो कुछ कार्य करने से धन मिलता था उससे अपना जीवन यापन परिवार चलाने के लिए करते थे बाल्यावस्था से ही हिंदुस्तान के प्रति देश प्रेम था, हिंदुस्तानियों के बच्चों को पढ़ने लिखने नहीं दिया जाता था और उन से काम कराया जाता था गौरो द्वारा अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाया जाता था एवं अच्छी शिक्षा दिलाई जाती थी पंडित तेजसिंह तिवारी को यह देखकर बहुत ही बुरा लगता था यह हिंदुस्तानी बच्चों को पढ़ाने का काम करने लगे,कुछ समय बाद इनकी अध्यापक की नौकरी लग गई एक दिन जब यह सुबह उठकर दांत मुंह धो रहे थे उसी समय इनके घर पर एक अंग्रेज सिपाही आया और घर के बाहर से इनका नाम पुकारने लगा तभी अंदर से पंडित तेजसिंह तिवारी निकल कर बाहर आए और उस अंग्रेज सिपाही से पूछने लगे कि क्या काम है अंग्रेज सिपाही ने इनका नाम पूछा और इनसे कहने लगा कि आपको साहब ने बुलाया है यह कुछ समय बाद अंग्रेज अफसर के घर पर पहुंचे और उनसे पूछने लगे कि क्या काम है साहब तभी अंग्रेज अफसर ने इनसे अँग्रेजी में कहां कि (Pandit Ji] if you work to teach children] then teach my children also at home) पंडित जी आप बच्चों को पढ़ाने का काम करते हैं तो मेरे बच्चों को भी घर पर पढ़ा दिया करो, पंडित तेजसिंह तिवारी अंग्रेज अफसर द्वारा बोली गई अंग्रेजी को समझ चुके थे और इन्होंने अंग्रेज अफसर को अंग्रेजी में ही उत्तर दिया और कहा कि (I do not teach children at anyone's home but only teach children in school)मैं किसी के घर पर बच्चों को नहीं पढ़ाता सिर्फ पाठशाला में बच्चों को शिक्षा देता हूं,यह सुनकर अंग्रेज अफसर गुस्से से तिलमिला गया ओर इनसे बोला कि पंडित जी आप अच्छा नहीं कर रहे हैं आपको बच्चें पढ़ाने के लिए जितने पैसे चाहिए उतने पैसे मैं दूंगा पंडित तेज सिंह तिवारी द्वारा अंग्रेज अफसर से कहा गया कि मैं पैसे का लालची नहीं हूं किसी अन्य अध्यापक से अपने बच्चों को पढ़वा लीजिए यह कहकर पंडित तेजसिंह तिवारी अपने घर ग्राम टिरनगौ (वर्तमान–राजस्व ग्राम टिरनगाँव जनपद फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश) में वापस आ गए और यह घटना अपने परिवार के सदस्यों को बताई,समय के साथ साथ इनका विवाह संपन्न हुआ इसके उपरांत इनको चार पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई इनके पुत्रों का नाम खुशालीराम तिवारी, उमरावसिंह तिवारी, रामलाल तिवारी, देवीराम तिवारी था प्रथम पुत्र रत्न प्राप्त होते ही इनके घर परिवार में खुशहाली आ गई सभी लोग बड़े प्रसन्न थे अपने परिवार की खुशहाली को देखते हुए इन्होंने अपने बड़े पुत्र का नाम पंडित खुशालीराम तिवारी रख दिया समय के साथ–साथ इनके चारों पुत्र बड़े होते गए और अपने सभी पुत्रों का विवाह समय को देखते हुए संपन्न कर दिया,पंडित तेजसिंह तिवारी हमेशा अपने बड़े पुत्र पंडित खुशालीराम तिवारी को बताया करते थे कि माता कुलदेवी दरअसल कुल या वंश की रक्षक देवी होती है। ये घर परिवार या वंश परम्परा की प्रथम पूज्य तथा मूल अधिकारी देवी होती है अतरू इनकी उपासना या महत्त्व दिए बगैर सारी पूजा एवं अन्य कार्य व्यर्थ हो सकते है। माता बेलोन कुलदेवी का आशीर्वाद प्राप्त कर क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी ने 1857 की क्रांति की जंग में भाग लिया 1857 की क्रान्ति की शुरूआत ₹10 मई 1857₹ की संध्या को मेरठ मे हुई थी और इसको समस्त हिंदुस्तानी 10 मई को प्रत्येक वर्ष 'क्रान्ति दिवस' के रूप में मनाते हैं, फिरोजाबाद नगर के संबंध में 13 मार्च 1918 को उत्तर पश्चिम प्रदेश के वेदोशिक विभाग की एक फाइल जो कि सचिव सचिवालय उत्तर प्रदेश में है जिसमें 1857 क्रांति में आगरा क्षेत्र के अंतर्गत घटित घटनाओं का एक छोटा सा विवरण दिया गया है जिसमें कहा गया है कि फिरोजाबाद परगना में स्थित कुछ क्षेत्रों के निवासी हिंसात्मक कार्य में सक्रिय नहीं है फिर भी वह ब्रिटिश शक्ति की आज्ञा की अवहेलना कर रहे हैं इस वृत्तांत से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि फिरोजाबाद नगर में 1857 की क्रांति के बाद भी हिंदुस्तानियों के दिलों में क्रांति की भावना बनी रही, क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी का देहांत ग्राम टिरनगौ (वर्तमान– राजस्व ग्राम टिरनगाँव जनपद फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश) में हो गया इनकी मृत्यु के बाद इनके पुत्रों को बहुत दुख हुआ

धुलाई के सर्वोत्तम साबुन
ताज स्पेशल नं.55, तूफान नं. 1 प्रभा
स्वदेशी सोप फैक्ट्री, अलीगढ़

निविदा सूचना
ग्राम पंचायत सुजानपुर वि0ख0–खैर जनपद–अलीगढ़

ग्राम पंचायत सुजानपुर वि0ख0 खैर में चतुर्थ राज्य वित्त/14 वां वित्त आयोग/15 वां वित्त आयोग/मनरेगा के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020–2021 में कार्य योजना के अनुसार कार्य कराने हेतु निम्नलिखित कार्यों को कराने हेतु पंजीकृत फर्म/टेन्डर संस्थाओं से सीलबन्द निविदा आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक निविदादाता सामग्री की दरें उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत
1.	संजीव तौमर के घर से मेन पोखर तक नाली निर्माण	4.79 लाख
2.	प्रा0वि0सुजानपुर नं0 2 मरम्मत/सौन्दर्यीकरण	2.50 लाख

निविदा की शर्तें:–निविदा के समय पंजीकरण RED/आयकर आदि प्रमाण पत्रों की छायाप्रति संलग्न करें। 2–टैण्डर फार्म ग्राम पं.कार्यालय से 07/10/20 से 9/10/20 तक प्रातः 10 से 4 बजे फार्म व सामग्री वितरण फार्म प्राप्त करें। 1. निविदा दिनांक 10/10/2020 में निविदादाताओं की सीलबन्द लिफाफे निविदादाताओं एवं समिति के समक्ष खोले जायेंगे। 2.निविदा को समिति द्वारा बिना कारण अस्वीकृत करने का अधिकार होगा। 3.किसी के विवादों हेतु न्यायक्षेत्र अलीगढ़ होगा। 4. निविदा संबंधी अन्य जानकारी ग्राम पं. कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 5.जमानत के रूप में 2% धरोहर राशि की FDR ग्राम पंचायत के नाम जमा करनी होगी। 6.बिल की सकल धनराशि नियमानुसार टैक्स देय होंगे। 7.बिलों का भुगतान TDS द्वारा काटने के उपरान्त किया जायेगा।

ग्राम प्रधान/सचिव, ग्राम पंचायत सुजानपुर, वि0ख0 खैर (अलीगढ़)

अति अल्पकालीन निविदा सूचना
ग्राम पंचायत घाघौली वि0ख0–टप्पल जनपद अलीगढ़

ग्राम पंचायत घाघौली वि0ख0 टप्पल में चतुर्थ राज्य वित्त/14 वां वित्त आयोग/15वां वित्त आयोग/5वां राज्य वित्त/मनरेगा के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020–21 में कार्य योजना के अनुसार कार्य कराने हेतु निम्नलिखित कार्यों हेतु सामग्री की आपूर्ति पंजीकृत फर्म संस्थाओं से आपूर्ति दर की सीलबन्द निविदा आमंत्रित की जाती हैं तथा सामग्री का विवरण कार्यालय ग्रा.पं.से प्राप्त करें। इच्छुक निविदादाता सामग्री की दरें उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत
1.	फकीरा के घर से अरविंद्र के घर तक इ0ला0 नाली	1,10,000
2.	बन्नो के घर से अतेन्द्र के घर तक इ0ला0 नाली	1,20,000
3.	सत्तो के घर से प्रेमवीर के घर तक इ0ला0 नाली	1,25,000
4.	प्रा0वि0 के अन्दर मैन गेट प्रा0वि0 तक इ0ला0	1,15,000
5.	प्रा0वि0 के सामने चबूतरा घर इ0ला0	2,15,000
6.	प्रा0वि0 के सामने से चबूतरा तक इ0ला0	2,00,000
7.	प्रा0वि0 में चबूतरा से जू0टा0 तक इ0ला0	1,95,000
8.	अतेन्द्र के घर से महावीर के घर तक इ0ला0	2,15,000
9.	फकीरा के घर से मनोहर के घर तक इ0ला0 नाली	1,55,000
10.	मनोहर के घर से अरविंद्र के घर तक इ0ला0 नाली	1,45,000

निविदा की शर्तें:–निविदा के समय पंजीकरण RED/आयकर आदि प्रमाण पत्रों की छायाप्रति संलग्न करें। 2–टैण्डर फार्म ग्राम पं.कार्यालय से 07.10.2020 से 09.10.2020 तक प्रातः 10 से 5 बजे तक फार्म व सामग्री वितरण फार्म प्राप्त करें। 3. निविदा दिनांक 09.10.2020 में निविदादाताओं की सीलबन्द लिफाफे निविदादाताओं एवं समिति के समक्ष खोले जायेंगे। 4.निविदा को समिति द्वारा बिना कारण अस्वीकृत करने का अधिकार होगा। 5. सामग्री कार्यस्थल चढ़ाई उतराई एवं भाड़ा सहित उपलब्ध करानी होगी। 6.किसी के विवादों हेतु न्यायक्षेत्र अलीगढ़ होगा। 7. निविदा संबंधी अन्य जानकारी ग्राम पं.कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 8.जमानत धनराशि 10% जमा करानी होगी। 9.बिल की सकल धनराशि नियमानुसार टैक्स देय होंगे।

ग्राम प्रधान/सचिव, ग्राम पंचायत घाघौली, वि.ख–टप्पल, अलीगढ़।

navbharattimes.indiatimes.com

यहां रहते थे हिरन और गाय

फिरोजाबाद जिले के हिरनगांव का इतिहास काफी पुराना है। गांव के 80 साल के वृद्ध खुशीराम बताते हैं कि पहले इस गांव में हिरन और गाय रहती थीं इसलिए पहले के बुजर्गो ने इस गांव का नाम हिरनगौ रखा था जो बाद में हिरनगांव हो गया। 30 सितंबर 1803 को फिरोजाबाद पर अंग्रेजों ने अधिकार जमा लिया था। 1800 सदी में जन्मे इस गांव के क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी ने साल 1857 की क्रांति में भी हिस्सा लिया था। इनके बेटे पंडित खुशालीराम तिवारी ने हिरनगांव प्राथमिक विद्यालय को अपनी जमीन दान में दे दी थी।

भारत में हो रहे विभिन्न प्रकार के अपराधों को प्रकाशित करने वाला राष्ट्रीय समाचार पत्र
हिन्दी साप्ताहिक सम्पादक डॉ. शैलेन्द्र वार्ष्णेय/रिपोर्टर गौरव वर्मा
RNI No. UPHIN/2009/29064
नियमित, निर्भीक राष्ट्रीय समाचार पत्र

क्राइम मेल

दिनांक : 12 मई 2020 मंगलवार
अलीगढ़ से प्रकाशित

आज हम भुला चुके एक स्वतंत्रता संग्राम सैनानी का नाम : पंडित तेजसिंह तिवारी

यूपी अलीगढ़:- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में पंडित तेजसिंह तिवारी का नाम बहुत शिद्दत से लिया जाता है। मगर निजी कारणों से इतिहास में पंडित तेजसिंह तिवारी नाम दब कर रह गया। आज के अध्याय में क्राइम मेल ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पंडित तेजसिंह तिवारी का जीवन परिचय और उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुये एक स्वतंत्रता संग्राम की जीवनी से आपको परिचय कराते है। गुमनामी की यादों में उनके अतीत समाए हुए हैं हिरनगौ (हिरनगाँव) से 12 किलोमीटर दूरी पर फ्रेंच, आर्मी चीफ डी. वायन ने सन नवंबर 1794 में फिरोजाबाद में आयुध फैक्ट्री की स्थापना की, श्री थॉमस ट्रविंग ने भी अपनी पुस्तक 'Travels in India ' में इस आयुध फैक्ट्री का उल्लेख किया है। 30 सितंबर 1803 को फिरोजाबाद नगर अंग्रेजों के अधीन हो गया और अंग्रेजी सरकार की हुकूमत फिरोजाबाद नगर पर चलने लगी, नागरी प्रचारिणी सभा (बनारस उत्तर प्रदेश) द्वारा लिखित पुस्तक खोज में उपलब्ध हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों का कोधबम मैं हिरनगौ स्थान सन 1817 का उल्लेख किया गया है इसके बाद लेखक क्षेमचंद सुमन द्वारा अपनी हस्तलिखित पुस्तक दिवंगत हिंदी सेवी भाग 2 में ग्राम हिरनगौ मैं सन 1822 में एक अन्य परिवार के बसने का उल्लेख किया है इससे प्रतीत होता है कि यह ग्राम ततसमय अस्तित्व में था 1800 सदी के क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी पंडित तेजसिंह तिवारी (जन्म 1800 सदी) निवासी ग्राम हिरनगौ जिला आगरा उत्तर प्रदेश का जन्म इनकी कुलदेवी माता बेलोन (नरोरा) के आशीर्वाद से हुआ था। इनके तेज एवं बल को देख कर इनका नाम पंडित तेजसिंह तिवारी रख दिया इनके दो छोटे भाई थे। कुछ कार्य करने से धन मिलता था उससे अपना जीवन यापन परिवार चलाने के लिए करते थे। बाल्यावस्था से ही हिंदुस्तान के प्रति देश प्रेम था, मगर अंग्रेजी हुकूमत में हिंदुस्तानियों के बच्चों को पढ़ने लिखने नहीं दिया जाता था और पंडित तेजसिंह तिवारी को यह देखकर बहुत ही बुरा लगता था और जोश में आकर हिंदुस्तानी बच्चों को पढ़ाने का काम करने लगे। कुछ समय बाद इनकी अध्यापक की नौकरी लग गई एक दिन जब यह सुबह उठकर हाथ मुंह धो रहे थे उसी समय इनके घर पर एक अंग्रेज सिपाही आया और घर के बाहर से इनका नाम पुकारने लगा तभी अंदर से पंडित तेजसिंह तिवारी निकल कर बाहर आए और उस अंग्रेज सिपाही से पूछने लगे कि क्या काम है अंग्रेज सिपाही ने कहा कि आपको साहब ने बुलाया है यह कुछ समय बाद अंग्रेज अफसर के घर पर पहुंचे और उनसे पूछने लगे कि क्या काम है साहब तभी अंग्रेज अफसर ने इनसे अँग्रेजी मैं कहां कि (Pandit ji, if you work to teach children, then teach my children also at home) पंडित जी आप बच्चों को पढ़ाने का काम करते हैं तो मेरे बच्चों को भी घर पर पढ़ा दिया करो, पंडित तेजसिंह तिवारी अंग्रेज अफसर द्वारा बोली गई अंग्रेजी को समझ चुके थे और इन्होंने अंग्रेज अफसर को अंग्रेजी में ही उत्तर दिया और कहा कि (I do not teach children at anyone's home but only teach children in school)मैं किसी के घर पर बच्चों को नहीं पढ़ाता सिर्फ पाठशाला में बच्चों को शिक्षा देता हूं, यह सुनकर अंग्रेज अफसर गुस्से से तिलमिला गया ओर इनसे बोला कि पंडित जी आप अच्छा नहीं कर रहे हैं आपको बच्चें पढ़ाने के लिए जितने पैसे चाहिए उतने पैसे मैं दूंगा पंडित तेज सिंह तिवारी द्वारा अंग्रेज अफसर से कहा गया कि मैं पैसे का लालची नहीं हूं किसी अन्य अध्यापक से अपने बच्चों को पड़वा लीजिए यह कहकर पंडित तेजसिंह तिवारी अपने घर ग्राम हिरनगो में वापस आ गए और यह घटना अपने परिवार के सदस्यों को बताई, और कुछ समय के बाद इनका विवाह संपन्न हुआ इसके उपरांत इनको चार पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई इनके पुत्रों का नाम खुशालीराम तिवारी, उमरावसिंह तिवारी, रामलाल तिवारी, देवीराम तिवारी था प्रथम पुत्र रत्न प्राप्त होते ही इनके घर परिवार में खुशहाली आ गई। बड़े पुत्र का नाम पंडित खुशालीराम तिवारी रख दिया। पंडित तेजसिंह तिवारी हमेशा अपने बड़े पुत्र पंडित खुशालीराम तिवारी को बताया करते थे कि माता बेलोन कुलदेवी का आशीर्वाद प्राप्त कर क्रांतिकारी पंडित तेजसिंह तिवारी ने 1857 की क्रांति की जंग में भाग लिया 1857 की क्रान्ति की शुरूआत '10 मई 1857' की संध्या को मेरठ मे हुई थी और इसको समस्त हिंदुस्तानी 10 मई को प्रत्येक वर्ष "क्रान्ति दिवस" के रूप में मनाते हैं, फिरोजाबाद नगर के संबंध में 13 मार्च 1918 को उत्तर पश्चिम प्रदेश के वेदोंशिक विभाग की एक फाइल जो कि सचिव सचिवालय उत्तर प्रदेश में है जिसमें 1857 क्रांति में आगरा क्षेत्र के अंतर्गत घटित घटनाओं का एक छोटा सा विवरण दिया गया है जिसमें कहा गया है कि फिरोजाबाद परगना में स्थित कुछ क्षेत्रों के निवासी हिंसात्मक कार्य में सक्रिय नहीं है फिर भी वह ब्रिटिश शक्ति की आज्ञा की अवहेलना कर रहे हैं इस वृत्तांत से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि फिरोजाबाद नगर में 1857 की क्रांति के बाद भी हिंदुस्तानियों के दिलों में क्रांति की भावना बनी रही। 1 अप्रैल 1862 को फिरोजाबाद नगर मैं टूंडला से शिकोहाबाद के लिए रेलगाड़ी चलना प्रारंभ हुई इसके उपरांत मार्च 1863 में टूंडला से अलीगढ़ रेलगाड़ी चलना प्रारंभ हुई वर्ष 1868 में फिरोजाबाद नगर में अंग्रेजी सरकार ने नगर पालिका की स्थापना कर दी उस समय नगरपालिका के अंतर्गत पुलिस कार्य करती थी ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इसके अध्यक्ष हुआ करते थे। पंडित तेज सिंह तिवारी का देहांत ग्राम हिरनगौ में हो गया इनकी मृत्यु के बाद इनके पुत्रों को बहुत दुख हुआ।